क्रिकेट में विराट कोहली की विरासत को उनके भाई के बेटे आर्यवीर कोहली आगे बढ़ाने की जद्दोजहद कर रहे हैं। आर्यवीर कोहली क्रिकेट में करियर बनाने के लिए जमकर पसीना बहा रहे हैं। – सरनदीप सिंह

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, आर्यवीर के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — मोहम्मद शमी

तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को आगामी घरेलू सीजन के लिए बंगाल के 50 संभावित खिलाड़ियों की विस्तारित सूची में शामिल किया गया है। 28 अगस्त से शुरु होने वाली दलीप ट्रॉफी वे पूर्व जोन की ओर से खेल सकते हैं। यह शमी की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी का मंच बन सकता है। शमी ने भारत के लिए 64 टेस्ट, 108 एकदिवसीय और 25 टी-20 मैच खेले हैं। एक लंबे अंतराल के बाद टखने की सर्जरी से उबरकर उन्होंने भारत के लिए आखिरी बार 2025 की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था। इस टूर्नामेंट में भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हराया था।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने नौ टेस्ट मैनचेस्टर में खेले उनमें से चार हारे और पांच ड्रॉ हुए हैं, उसने इस मैदान पर पहला मुकाबला 1936 में इंग्लैंड से खेला था।

गाड्र्स पोलो क्लब में रोमांचक मुकाबले में जयपुर टीम ने जीती जयपुर ट्रॉफी

बारिश में खेले गए ऐतिहासिक मैच में जयपुर ने किया निर्णायक गोल

विंडसर, 19 जुलाई। इंडियन पोलो डे के तहत खेले गए प्रतिष्ठित जयपुर ट्रॉफी मुकाबले में जयपुर पोलो टीम ने रोमांचक अंदाज़ में जीत दर्ज की। महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह के नेतृत्व में जयपुर टीम ने गाड्र्स पोलो क्लब को 8-7 से हराया। यह ऐतिहासिक ट्रॉफी 10 वर्षों के अंतराल के बाद फिर से पुनः प्रारंभ हुई और बारिश के बावजूद क्वीन स ग्राउंड में दर्शकों की भीड़ उमड़ पड़ी। यह मैच न केवल जयपुर ट्रॉफी के लिए था बल्कि यह इंडियन पोलो शील्ड (18 गोल) टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला भी था।

सवाई पद्मनाभ सिंह ने 4 गोल किए, जिसमें फाइनल मिनटों में खेला गया विजयी गोल भी शामिल रहा। टीम जयपुर ने नए और अनजान घोड़ों के बावजूद बेहतरीन तालमेल और साहस का प्रदर्शन किया और पूरे खेल में दबदबा बनाए रखा। गाड्र्स पोलो क्लब ने भी कड़ी टक्कर दी। विलियम एमर्सन ने आक्रामक खेल दिखाया। एक समय पर गार्डस को जीत के लिए सिर्फ दो गोल की जरूरत थी, लेकिन

जयपुर की टीम ने आखिरी तक अपनी पकड़ बनाए रखी। बारिश के कारण आखिरी चक्कर लगभग पूरी तरह बारिश में खेला गया, जिसने मैच को और भी रोमांचक बना दिया। सवाई पद्मनाभ सिंह ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और आख़िरी क्षणों तक मोर्चा संभाले रखा उनकी कप्तानी और जज़्बे ने टीम को जीत तक पहुँचाया। इस खास मौके पर कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे, जिनमें ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त श्री विक्रम दोराईस्वामी, भारतीय डायस्पोरा के प्रमुख सदस्य और अंतरराष्ट्रीय कारोबारी समुदाय शामिल थे। यूनाइटेड स्टेट्स पोलो एसोसिएशन के ग्लोबल सीईओ भी एचएच जयपुर के आमंत्रण पर विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

कार्यक्रम की सांस्कृतिक झलक भारतीय और ब्रिटिश दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रही, जहां नाट्ययश्री डांस ग्रुप की प्रमुख गीता के नेतृत्व में बच्चों द्वारा प्रस्तुत भारतीय फ्यूज़न नृत्य ने सभी का मन मोह लिया। 2014 के बाद पहली बार खेली गई जयपुर ट्रॉफी, अब सवाई पद्मनाभ सिंह के प्रयासों से पुनः स्थापित हुई है। इसकी शुरुआत 1968 में हुई थी और यह मुकाबला एक बार फिर भारत-ब्रिटेन पोलो संबंधों के नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक बना।

आईसीसी ने यूएसए क्रिकेट को तीन माह की राहत दी

सिंगापुर, 19 जुलाई। संकटग्रस्त यूएसए क्रिकेट (यूएसएसी) को तीन महीने की राहत दी गई है, जबकि चयन का एक हाइब्रिड मॉडल 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक में खेलने वाली टीमों का निर्धारण करेगा। शनिवार 19 जुलाई को सिंगापुर में हुई आईसीसी बोर्ड की बैठक में यूएसएसी को और समय देने का फैसला किया गया, जो प्रशासन संबंधी मुद्दों को लेकर आलोचनाओं का शिकार रहा है। स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि अमेरिकी क्रिकेट संस्था, देश की सर्वोच्च ओलंपिक संस्था, अमेरिकी ओलंपिक और पैरालंपिक समिति (यूएसओपीसी) के साथ टकराव में आ गई है।

आईसीसी द्वारा लगभग एक साल से नोटिस दिए जाने के बाद – जुलाई 2024 में आईसीसी के पिछले वार्षिक सम्मेलन में इसे नोटिस दिया गया था – यूएसएसी को अपनी व्यवस्था दुरुस्त करनी थी। हालांकि, पिछले महीने संयुक्त राज्य अमेरिका का दौरा करने वाली सामान्यीकरण समिति, इस प्रगति से बहुत प्रभावित नहीं हुई।

किसी अन्य स्थिति में, आईसीसी सदस्य को निलंबित करने का अगला तार्किक कदम उठा सकता था। हालांकि, यूएसएसी को आगामी ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने वाले देश की असाधारण स्थिति का लाभ मिलता दिख रहा है। स्थिति की संवेदनशील प्रकृति को देखते हुए, जय शाह के नेतृत्व वाली आईसीसी ने इस संस्था को तीन महीने की मोहलत दी है – सिंगापुर में वर्तमान में चल रहे वार्षिक सम्मेलन में भाग लेने वालों के अनुसार, यह निर्णय आईसीसी बोर्ड ने शनिवार को लिया।

हालांकि, यहां स्थिति की विडंबना को नजरअंदाज करना मुश्किल है। अमेरिकी पुरुष और महिला टीमों के ओलंपिक खेलों के लिए स्वतः योग्यता प्राप्त करने की उम्मीद है, लेकिन उन टीमों का चयन कौन करेगा, यह विश्व और स्थानीय क्रिकेट प्रशासकों के सामने एक बड़ी दुविधा बनी हुई है। क्या यूएसएसी को – अगर वह अगले तीन महीनों के भीतर प्रशासनिक आवश्यकताओं को पूरा कर लेता है – यूएसओपीसी द्वारा टीमों का चयन करने की अनुमति दी जाएगी।

संकट में एशिया कप! ढाका की बैठक का बहिष्कार करेगा बीसीसीआई

नई दिल्ली, 19 जुलाई। बीसीसीआई ने 24 जुलाई को ढाका में होने वाली एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की वार्षिक आम बैठक के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। बांग्लादेश में भू-

राजनीतिक तनाव और मैदान पर बिगड़ती स्थिति के बीच, भारतीय बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि अगर बैठक का स्थान नहीं बदला गया तो वह बैठक में पारित किसी भी प्रस्ताव का बहिष्कार करेगा। इस साल टी20 प्रारूप में होने वाला एशिया कप अभी भी अधर में लटका हुआ है। भारत को मेज़बान देश घोषित किए जाने के बावजूद, टूर्नामेंट का न तो आधिकारिक तौर पर कार्यक्रम तय किया गया है और न ही एसीसी ने इसके लिए कोई निश्चित स्थल तय किया है। हालाँकि अटकलें सितंबर में होने की ओर इशारा कर रही हैं, लेकिन स्पष्टता की कमी ने असमंजस को और बढ़ा दिया है। 24 जुलाई की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के स्थान को लेकर बीसीसीआई की कड़ी आपत्ति ने इस अफरा-तफरी को और बढ़ा दिया है। इस घटनाक्रम से वाकिफ एक सूत्र ने एएनआई को बताया कि भारत ढाका में अपने प्रतिनिधि नहीं भेजेगा और उसने पहले ही आयोजन स्थल बदलने का अनुरोध कर दिया है। लेकिन एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया न मिलने के कारण स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। एशिया कप तभी हो सकता है जब बैठक का स्थान ढाका से बदला जाए। उन्होंने कहा कि एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नक़वी बैठक के लिए भारत पर अनावश्यक दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हमने उनसे बैठक स्थल बदलने का अनुरोध किया था, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। अगर मोहसिन नक़वी ढाका में बैठक करते हैं, तो बीसीसीआई किसी भी प्रस्ताव का बहिष्कार करेगा। गौरतलब है कि नक़वी वर्तमान में पीसीबी अध्यक्ष और पाकिस्तान के गृह मंत्री दोनों हैं, और इस दोहरी भूमिका ने एशिया कप की तैयारियों के राजनीतिक पहलुओं को और जटिल बना दिया है।

पवन ने वर्ल्ड स्ट्रैथ लिफ्टिंग थाईलैंड में जीता कांस्य पदक

जयपुर, 19 जुलाई। पवन कुमावत ने एक बार फिर प्रदेश और देश का मान बढ़ाया है। राजस्थान

स्ट्रेंथ लिफ्टिंग संघ के सचिव चन्द्रेश सोनी ने बताया कि पवन कुमावत ने थाईलैंड में 16 से 19 जुलाई तक चल रही 12 वि वल्ड स्ट्रैथ लिफ्टिंग चैंपियनशिप सिनियर 76 किलो भार वर्ग मे इन्कलाईन बेन्च पर्स मे 125 किलो वजन उठाकर भारत के लिए ब्रोन्च मेडल जीता, पवन इससे पूर्व भी देश को कई अंतरराष्ट्रीय पदक दिला चुके हैं। पवन कुमावत ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता जगदीश प्रसाद व नान्छी देवी तथा अपने मार्गदर्शक कोच पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़ को दिया है।

राजस्थान की बेटी गौरी का दिल्ली स्पोर्ट्स स्कूल में चयन

जयपुर, 19 जुलाई। राजस्थान की गौरी शर्मा ने प्रदेश का नाम रोशन करते हुए दिल्ली स्पोर्ट्स

यूनिवर्सिटी के अंतर्गत संचालित दिल्ली स्पोर्ट्स स्कूल में बॉक्सिंग के लिए चयनित होकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह पहली बार है जब राजस्थान से किसी छात्रा का इस प्रतिष्ठित खेल संस्थान में चयन हुआ है। गौरी की इस सफलता से न केवल उसके परिवार में खुशी का माहौल है, बल्कि यह प्रदेश की बेटियों के लिए प्रेरणा बन गई है। गौरी अब राष्ट्रीय स्तर पर ट्रेनिंग के साथ देश के लिए पदक जीतने की दिशा में अग्रसर है।

भारतीय महिला बास्केटबॉल टीम ने कजाकिस्तान को हराया

शेनझेन (चीन), 19 जुलाई। भारतीय बास्केटबॉल टीम ने शनिवार को फीबा महिला एशिया कप 2025 डिवीजन बी टूर्नामेंट में कजाकिस्तान को 103-77 से हराकर पांचवां स्थान हासिल किया। श्रीकला रानी ने भारत के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए खेल में सर्वाधिक 30 अंक बनाए, जबकि कजाकिस्तान की ओर से डारिया कोरोलेवा 15 अंकों के साथ शीर्ष पर रहीं। टूर्नामेंट में उच्च रैंकिंग वाली कजकिस्तान पर भारत की यह दूसरी जीत है, इससे पहले उसने ग्रुप ए के अपने पहले मैच में उन्हें 85-68 से हराया था। भारत ने अनीशा क्लीटस के थ्री-पॉइंटर के साथ शानदार शुरुआत की और स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाया। इसके तुरंत बाद श्रीकला रानी ने भी आक्रामक खेल दिखाया और भारत ने शुरुआत में ही 5-0 की बढ़त बना ली। विश्व में 14वें नंबर की टीम कजाकिस्तान ने फिर वापसी की और 7-5 की बढ़त बना ली।

जुरेल को मैनचेस्टर टेस्ट में मिल सकती है प्लेइंग-11 में जगह

मैनचेस्टर, 19 जुलाई। गुरुवार की सुबह भारतीय अभ्यास सत्र के दौरान बेकेनहम के केंट काउंटी क्रिकेट ग्राउंड से गेंद नेट्स के बाहर आ रही थी। बल्ले से गेंद टकराने के बाद टुक, टुक, टुक की एक मधुर आवाज भी आ रही थी जो खाली पड़े मैदान में गूंज रही थी। शॉट्स इतने ताकतवर थे कि गेंद सीधे प्लास्टिक की सीटों पर जाकर गिर रही थी, लॉन्ग ऑन से लेकर पेड़ों के बीच होते हुए ध्रुव जुरेल के लॉफ्टेड शॉट्स काऊ कॉर्नर तक पहुंच रहे थे। जुरेल सफेद टी-शर्ट में बेहद सहज अंदाज में आक्रामक शॉट्स खेल रहे थे।

जुरेल के सामने अब थे पूर्व दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज और भारतीय गेंदबाजी कोच मोर्ने मॉर्कल, जो 20 यार्ड से गेंदबाजी कर रहे थे। मॉर्कल उनके स्टंप्स और ऑफ स्टंप के बाहर बल्ले के किनारे को निशाना बना रहे थे। जुरेल उनके सामने तकनीकी तौर पर बिल्कुल सहज थे और अच्छे फुटवर्क के साथ डिफेंस कर रहे थे। जुरेल का डिफेंस इसलिए भी अच्छा हो रहा था क्योंकि यही उनकी खासियत है, जब से उन्होंने टेस्ट में भारत के लिए डेब्यू किया है तब से ही उनकी तकनीक डिफेंस और आक्रामक खेल दोनों में ही शानदार है। जिस वजह से उनकी बल्लेबाजी बेहद सहज नजर आती है।

भारतीय सैनिक के पुत्र जुरेल की शारीरिक भाषा भी एक सैनिक की ही तरह है, वह सीना चौड़ा कर चलते हैं और हमेशा आत्मविश्वास से लबरेज नजर आते हैं। जिस समर्पण और दिमागी तौर से बिल्कुल स्पष्ट अंदाज में वह खेलते हैं उसी की बदौलत कम समय में ही उन्होंने भारत के लिए मैच जिताऊ पारियां खेल ली हैं। इंग्लैंड के खिलाफ रांची टेस्ट में धीमी और कम उछाल वाली पिच पर भी उन्होंने बेहतरीन 90 रन की पारी खेली थी, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच से भी नवाजा गया था।

टेस्ट में इतिहास बनाने से 31 रन दूर जो रूट

मैनचेस्टर, 19 जुलाई। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट टेस्ट क्रिकेट में एक ताकत रहे हैं। कप्तानी छोड़ने के बाद से, 34 वर्षीय रूट टेस्ट क्रिकेट में बेहद प्रभावशाली रहे हैं और अब जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ के शानदार टेस्ट रिकॉर्ड को तोड़ने की राह पर हैं। गौरतलब है कि रूट को टेस्ट क्रिकेट इतिहास में तीसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के लिए केवल 31 रनों की ज़रूरत है। सचिन तेंदुलकर 15921 रनों के साथ इस सूची में शीर्ष पर हैं, उनके बाद रिकी पोंटिंग 13378 रनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ क्रमशः 13289 और 13288 रनों के साथ तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। रूट, जिनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 13259 रन हैं, मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट में कैलिस और द्रविड़ को आसानी से पीछे छोड़ सकते हैं। वह चौथे टेस्ट में पोंटिंग को पीछे छोड़कर टेस्ट इतिहास में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। शेफ़ील्ड में जन्मे रूट को केवल 119 रनों की ज़रूरत है।

शास्त्री ने केएल राहुल की तकनीकी कुशलता का खुलासा किया

लंदन, 19 जुलाई। पूर्व भारतीय मुख्य कोच रवि शास्त्री को उम्मीद है कि भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल लंबे प्रारूप में और शतक लगाएंगे। इंग्लैंड के खिलाफ चल रही आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप श्रृंखला में भारत के लिए बल्ले से अहम योगदान देने वालों में सलामी बल्लेबाज केएल राहुल शामिल हैं। तीन टेस्ट मैचों में 375 रन, जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है, के साथ राहुल अब तक श्रृंखला में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। राहुल के हालिया प्रदर्शनों ने उन्हें भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री की सराहना दिलाई है।

आईसीसी रिव्यू के नवीनतम संस्करण में बात करते हुए, शास्त्री ने इस अनुभवी सलामी बल्लेबाज के अच्छे प्रदर्शन का समर्थन किया। शास्त्री ने कहा, ''मुझे लगता

है कि दुनिया में एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं था जिसने उनकी क्षमता को नकारा हो और कहा हो कि वह (राहुल) प्रतिभाशाली नहीं हैं।'' उन्होंने कहा, ''लोगों को इस बात से चिढ़ थी कि इतनी प्रतिभा के बावजूद, वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे थे। और इस सीरीज में, आप राहुल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देख रहे हैं।'' शास्त्री ने आगे बताया कि राहुल ने इस फॉर्म को पाने के लिए एक तकनीकी बदलाव किया है। उन्होंने कहा, ''मैं देख रहा हूं कि उन्होंने अपने अगले पैर, अपनी मुद्रा और डिफेंस करते समय थोड़ा सा बदलाव किया है।''

शास्त्री ने कहा, ''यह थोड़ा खुल गया है, जिससे उनकी पीठ आसानी से बाहर आ जाती है। यहां तक कि जब वह मिड-विकेट की ओर मार रहे होते हैं, तब भी ब्लेड का पूरा मुंह सामने होता है।'' शास्त्री ने कहा, ''उन्हें ब्लेड का सामने वाला हिस्सा बंद करने और गिरकर मुसीबत में पड़ने की जरूरत नहीं है, जैसा कि वह पहले करते थे। वह पगबाधा आउट हो जाते थे, बोल्ड हो जाते थे, वह बहुत दूर निकल जाते थे और फिर पगबाधा आउट भी हो जाते थे।''

रन बनाने के लिए पावर की जरूरत होती है : डेविड

जमैका, 19 जुलाई। कैरेबियाई मैदान पर अधिक टी-20 मैच खेलने का अनुभव रखने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज टिम डेविड का मानना है कि होबार्ट हरिकेंस के साथी मिच ओवेन की शैली वेस्टइंडीज में खेलने के लिए उपयुक्त है। आप अच्छी पिच पर निर्भर नहीं रह सकते है, कई बार रन बनाने के लिए पावर की जरूरत होती है। रविवार से शुरु हो रही टी-20 श्रृंखला से पहले डेविड ने कहा, वह अपने करियर की शुरुआत में है, इसलिए मुझे यकीन है कि उसे दुनिया के इस हिस्से में खेलने का काफी अनुभव होगा। मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे कैरिबियन में टी-20 क्रिकेट खेलने का थोड़ा अनुभव है और मिच का खेल यहां खेले जाने वाले क्रिकेट की इस शैली के लिए काफी उपयुक्त है। आप केवल अच्छी पिचों पर निर्भर नहीं रह सकते। कई बार रन बनाने के लिए आपको पावर की जरूरत होती है, और आपको खुद पर भरोसा करना होता है। डेविड ने 31 मैच खेले हैं, जिनमें से 24 कैरिबियाई प्रीमियर लीग में और सात पिछले साल के टी-20 विश्व कप के दौरान खेले थे। यह उन्हें मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई टीम में कैरिबियाई परिस्थितियों में खेलने का सबसे अनुभवी खिलाड़ी बनाता है।

हैदराबाद करेगा दूसरे महिला कबड्डी विश्वकप की मेजबानी

हैदराबाद, 19 जुलाई। बिहार के हटने के बाद हैदराबाद तीन से 10 अगस्त तक चलने वाले महिला कबड्डी विश्व कप 2025 की मेजबानी करेगा। अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी महासंघ द्वारा भारतीय एमेच्योर कबड्डी महासंघ के सहयोग से हैदराबाद के गाचीबावली इंडोर स्टेडियम में आयोजित होने वाले इस विश्वकप में 14 टीमें भाग लेंगी। भारत के अलावा, ईरान, बंगलादेश, नीदरलैंड, जापान, पोलैंड, यूगांडा, केन्या, हंगरी, थाईलैंड, नेपाल, जर्मनी और अर्जेंटीना महिला कबड्डी विश्वकप के दूसरे संस्करण में भाग लेने की पुष्टि कर चुके हैं। यह टूर्नामेंट मूल रूप से बिहार के राजगीर में आयोजित होना था, लेकिन राज्य द्वारा मेजबानी से हटने के बाद इसे हैदराबाद स्थानांतरित कर दिया गया। हैदराबाद 2005 में एशियाई कबड्डी चैंपियनशिप की मेजबानी कर चुका है। बिहार ने 2012 में पटना के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित महिला कबड्डी विश्व कप के पहले संस्करण की भी मेजबानी की थी।

अभिनव बिंद्रा ने साय से की मुलाकात

रायपुर, 19 जुलाई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से शनिवार को उनके निवास कार्यालय में ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता शूटर अभिनव बिंद्रा ने सौजन्य भेंट की और साय ने बिंद्रा से छत्तीसगढ़ में ओलंपिक वैल्यू एजुकेशन, स्पोर्ट्स इंजरी रिकवरी एवं स्पोर्ट्स साइंस डेवलपमेंट के विषय में विस्तारपूर्वक चर्चा की। साय ने बिंद्रा का पुष्पगुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने बिंद्रा से छत्तीसगढ़ में खेल गतिविधियों के विकास एवं खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने संबंधी योजनाओं पर गहन चर्चा की। मुख्यमंत्री ने चर्चा के दौरान कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है। प्रदेश के युवाओं में खेलों के प्रति स्वाभाविक रुचि एवं नैसर्गिक प्रतिभा है, विशेषकर आदिवासी अंचलों के युवाओं में अत्यधिक संभावनाएं हैं।

गोल्ड जीतने के बाद नहीं मिले कई पुरस्कार, अरशद नदीम ने खोली पाकिस्तान की पोल

नई दिल्ली, 19 जुलाई। पाकिस्तान के ओलंपिक हीरो अरशद नदीम ने 2024 के पेरिस ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद अपने देश की सरकार और अधिकारियों द्वारा किए गए अधूरे वादों पर सवाल उठाए हैं। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में भारत के नीरज चोपड़ा को हराकर पाकिस्तान के लिए पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले नदीम ने खुलासा किया कि उनकी उपलब्धि के लिए इनाम के तौर पर घोषित ज़मीन के टुकड़े कभी नहीं दिए गए। अरशद नदीम ने पेरिस ओलंपिक में 92.97 मीटर की छलांग लगाकर इतिहास रच दिया और डेनमार्क के एंड्रियास थोरकिल्डसन द्वारा 2008 में बनाए गए ओलंपिक रिकॉर्ड को तोड़ दिया। रजत पदक जीतने वाले गत विजेता नीरज चोपड़ा पर उनकी जीत पाकिस्तान के लिए बेहद गर्व की बात थी। सरकार, राज्य के अधिकारियों और सार्वजनिक संस्थाओं ने नदीम को नकद पुरस्कार, ज़मीन के प्लॉट और विभिन्न सम्मानों सहित ढेरों इनाम देने का वादा किया। हालांकि, एक साल बाद, नदीम ने जियो टीवी से बात करते हुए खुलासा किया, ''मेरे लिए जितने भी इनामों की घोषणाएँ की गईं, उनमें से सभी प्लॉट की घोषणाएँ फ़र्ज़ी थीं, जो मुझे नहीं मिलीं। इसके अलावा, मुझे घोषित सभी नकद पुरस्कार मिल चुके हैं।''

राजस्थान ओलंपिक एसोसिएशन की साधारण सभा की वार्षिक बैठक आज

जयपुर, 19 जुलाई। राजस्थान ओलंपिक एसोसिएशन की साधारण सभा की वार्षिक बैठक रविवार 20 जुलाई 2025 को सायं 6 बजे रेडिसन होटल सिटी सेंटर पर आयोजित होगी। इस बैठक में मुख्य अतिथि राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के चेयरमैन नीरज के पवन होंगे तथा सचिव राजेंद्र सिंह विशेष आमंत्रित के रूप में भाग लेंगे। बैठक का आयोजन राजस्थान ओलंपिक संघ के अध्यक्ष तेजस्वी सिंह गहलोत की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। बैठक में विशेष सहयोग के लिए अनुज गोयल और अमित गोयल, निदेशक, गुस्तूरा फूड प्राइवेट लिमिटेड, दीपेंद्र सिंह प्रेसिडेंट राजस्थान तीरंदाजी संघ, संजीव गौड ओरिएंटल एडुमेड प्राइवेट लिमिटेड कोसम्मानित किया जाएगा। इसके बैठक में भाग लेने वाले सभी सदस्यों से आवश्यक विवरण प्राप्त कर उनको एक्रेडिटेशन कार्ड जारी किए जा चुके हैं। बैठक के दौरान उन्हीं लोगों को प्रवेश की अनुमति दी जाएगी जिनको एक्रेडिटेशन कार्ड जारी किए गए हैं।

आरसीए एडहॉक कमेटी ने नाथद्वारा पहुंच मिराज स्टेडियम का किया निरीक्षण

मिराज स्टेडियम पर बीसीसीआई - आरसीए के मैच आयोजित होने पर हुई चर्चा : डी.डी. कुमावत

जयपुर, 19 जुलाई। राजस्थान क्रिकेट संघ की नव गठित आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत , सदस्य पिंकेश पोरवाल व मोहित यादव ने नाथद्वारा पहुंच आराध्य देव श्रीनाथ जी के दर्शन कर मिराज स्टेडियम का अवलोकन किया।संयोजक डी डी कुमावत ने बताया कि बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की विभिन्न राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिताओं, आरसीए की घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिताओं, प्रशिक्षण शिविरों के नाथद्वारा के मिराज क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित करने का प्रस्ताव आरसीए को मिराज क्रिकेट स्टेडियम संचालकों द्वारा प्राप्त हुआ था।पिछले दिनों आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग में इस सबंधमें चर्चा के बाद आज हमारी 3 सदस्य कमेटी ने नाथद्वारा पहुंचकर

मिराज क्रिकेट स्टेडियम का व्यापकनिरिक्षण किया इसमें विशेष रूप से क्रिकेट मैदान, पिच, पवेलियन, मीडिया बॉक्स, मैच ऑफिशल्ससुविधाएं सहितवीवीआईपी जोन, दर्शक दीर्घा की जानकारी प्राप्त की। हमारी कमेटी मिराज स्टेडियम के खेल मैदान सहित सभी सुविधाओं से संतुष्ट है। संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी ने इस दौरान मिराज क्रिकेट स्टेडियम के संचालकों से मिराज स्टेडियम के आरसीए से एमओयू पर विस्तृत चर्चा की व सभी परिस्थितियों को आरसीए की आवश्यकता के अनुसार समझा।संयोजक के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी का उद्देश्य राज्य में क्रिकेट के विकास के साथ युवा खिलाडियों को उच्च स्तरीय खेल मैदान व तकनिकप्राप्त हो के अनुसार ही हमने आज नाथद्वारा के मिराज क्रिकेट स्टेडियम का निरिक्षणकर उसके आरसीए से एमओयू को जल्द से जल्द करने पर चर्चा की जिससे राज्य के युवा खिलाडियों को एक उच्च स्तरीय क्रिकेट स्टेडयम में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होगा।

दिलीप सिंह शेखावत बने हरियाणा फुटबॉल एसोसिएशन एडहॉक कमेटी के मेंबर सेक्रेटरी

जयपुर, 19 जुलाई। राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत को अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ ने एक बड़ी और अहम जिम्मेदारी देते हुए उन्हें हरियाणा फुटबॉल संघ के कामकाज और चुनाव कराने हेतु एडहॉक कमेटी में मेंबर सेक्रेटरी मनोनीत किया है। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ के अनुसार उन्हें डिस्टिक रजिस्टार गुरुग्राम ने हरियाणा फुटबॉल संघ के विभिन्न कार्यकलापों और चुनाव को सुचारू रूप से करने हेतु एक एडॉक कमेटी बनाने को कहा है।

यह एडहॉक कमेटी हरियाणा ओलंपिक संघ की देखरेख में काम करेगी। दिलीप सिंह शेखावत को स्पोर्ट्स एडमिनिस्ट्रेटर के तौर पर काफी लंबा अनुभव रहा है और वर्तमान में वह राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव होने के साथ राजस्थान ओलंपिक संघ के सह सचिव और अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ की बीच सॉकर कमेटी के सदस्य भी हैं।

जयपुर जिला फुटबॉल संचालन समिति के वरिष्ठ सदस्य अब्दुल जब्बार ने बताया कि विगत कुछ वर्षों में दिलीप सिंह शेखावत ने अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ की विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों का राजस्थान में सफलतापूर्वक संचालन किया है जिससे कि अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ ने उन पर विश्वास जताते हुए उन्हें इस भूमिका के लिए चुना है। इस अवसर पर जयपुर जिला फुटबॉल संचालन समिति के वरिष्ठ सदस्य अब्दुल जब्बार, मनोज शर्मा, हितेश शर्मा, डॉ दिलीप सिंह चुंडावत और सेबी फिलिप्स ने दिलीप सिंह शेखावत को शुभकामनाएं दी है।